Union Tirtiwries are concerned, we have to approach the Home Ministry for getting such relief, Recentiy, Madam, there was a cyclone and I the Prime Minister was pleaseid to sanction Rs. 1 croro And another Rs. 2 crores have also been sanctioned. But our claim to the Government 'of India was Rs. 56.crores and the Home Ministry and the Agriculture Ministry have not yet decided which Ministry has to sanction the funds. That is the state nf affairs. The actual problem is, in the administration of the State affairs we have not been given full authority. Thterefore, Madam, I demand that the mat er of grant-'ing statehood to the Union Territory of Pordiciicrry which waa initially a.ureed to — ahd they have a favourable proposal for that— it seems, is prolonging for quite some time since the matter of Union Territory of Delhi has come in bettween. We want more powers for the State legislature. The reason for demanding these powers is, we have to cover 2400 kms.'for reaching the Capifal, Delhi, for getting our work done. Therefore, I request, Midam, that a special category status should be given for financial matters and seivice matters so that we do not have to run after the Home Ministry for running the administration of the State and also for the betterment of the State. Therefore, T want the Home Minister to consider this demand and come out with a proposal giving a special category status to the Union Territory of Pondicherry as was fore for the North-Eastern States.

POLICE FIRING ON FARMERS IN GUJARAT

श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल (गुजरात) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके जरिए अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय का उल्लेख करना चाहता हूं। गुजरात में किसानों का आन्दोलन चल रहा है। बिजली की दरों में वृद्धि हुई है। वृद्धि होने से पहले गुजरात में पूरे देश से सबसे ज्यादा दरें थीं। अब वे दस गुना बढ़ा दी गई हैं। इसलिए वहां किसानों का आन्दोलन चल रहा है। इस आन्दोलन में पुलिस ने गोलियां चलाई हैं। टीयर गैस का उपयोग करके लोगों को जेल में बंद कर दिया गया है और पूरे गांवों में गुजरात में डर चल रहा है। दुनियां में कहीं भी ऐसा नहीं हुआ है, ऐसी बात गुजरात में सरकार ने की है। किसानों के 16 हजार कनेक्शन्स काट दिये गये हैं। कच्छ और सौराष्ट्र में बारिश नहीं हुई है। उसकी वजह से पानी का प्रोबलम हो गया है। वहां पानी पशुओं को पिलाने के लिए भी नहीं है। विन्टर क्रोप सूख रही है। पशुओं के लिए पानी नहीं है। इसलिए सब पशुओं को लेकर भुज में कलेक्टर के आफिस में वहां के किसानों ने धरना दिया। पहली दफा पूरी दुनियां में पशुओं के ऊपर गोलियां चलाई गई, टीयर गैस छोड़ी गई जिसमें पशु मार दिये गये। छः लोग अस्पताल में पड़े हैं। राजकोट डिस्ट्रिक्ट में एक आदमी मार दिया गया। हिम्मत नगर में भी एक किसान को मार दिया गया। अभी जो आन्दोलन चल रहा है उसमें पूरे गुजरात में गांव बंद हो गये हैं। कोई चीज शहर में आती नहीं है। तीन दिन से गांवों से न तो दूध आता है और न ही सब्जी आती है और न ही अन्य कोई चीज आ सकती है। इस स्थिति में इस हाउस में वहां की पूरी बातें आपके सामने रखना चाहता हूं। वहां की सरकार का कहना है कि बिजली की दरों में इसलिए वृद्धि की गई है कि बाहर से जो कोयला आता है वह मंहगा पड़ता है। बात यह है कि हमारी गैस गुजरात से बाहर जाती है और कोयला बाहर से गुजरात में आता है। इसकी वजह से सरकार का कहना है कि बिजली के दाम बढ़ाने पड़े हैं। स्वर्गीय राजीव गांधी ने गुजरात की जनता को वचन दिया था कि पिपावाव में गैस पर आधारित बिजली का कारखाना चलेगा और बिजली मिलेगी। पिपावाव में गैस पर आधारित कारखाने से गुजरात को बिजली मिल जाए तो सारे झंझट खत्म हो सकते हैं। लेकिन बात यह है कि गांवों में पुलिस ले जाकर 260 लाख रुपये जबर्दस्ती बसूल दिखा कर सरकार ने वहां के लोगों से वसूल किये हैं। मानपुरा गांव जो एक छोटा सा गांव है, जहां पर सिर्फ 75 आदमी थे, वहां पर 76 गोलियां चलाई गई, 125 टीयर गैस शैल चलाये गये। वहां पर भी पशुओं को मार दिया गया। वहां पर जो बिजली की दरों में वृद्धि की गई उसमें करप्शन चल रहा है, बिजली की चोरी चलती है। अगर इसको रोक दिया

गया तो पांच सौ करोड़ रुपये सालाना सरकार को मिल सकते हैं । गुजरात में सरकार की ओर-जबर्दस्ती चल रही है। विद्यार्थियों के मेस बिल में वृद्धि कर दी गई तो बड़ा आन्दोलन खड़ा हो गया । आज किसानों में यही बात हो रही है । सरकार ने बिजली की दरों में जो वृद्धि की है उससे वहां पर एक बहुत बड़ा आन्दोलन चल रहा है और लगता है कि यदि इसी ढंग से गुजरात सरकार चली तो यह ठीक नहीं है। पता नहीं कौनसा पागलपन गुजरात सरकार में सवार हो गया है। पुलिस भेज कर निहत्थे किसानों पर जो कुछ नहीं कर रहे थे, जिनका निःशस्त्र कार्यक्रम होता है, उन पर गोलियां चलाई जा रही हैं। मैं आपके जरिए पूरे हाउस का ध्यान दिलाना चाहता हूं और यह कहना चाहता हूं कि इसमें कुछ न कुछ गवर्नमेंट को करना चाहिए ताकि ये सब बातें बंद हों।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात) : उपसभाध्यक्ष जी, जो बात अभी बताई गई है उस बात में मैं अपने आपको एसोसिएट करता हूं। उसमें मैं एक बात और बताना चाहता हूं कि बिजली के जो दाम वहां पर थे वे पांच सौ गुना बढ़ा दिये गये हैं। किसानों का पिछले एक साल से वहां आन्दोलन चल रहा है। पहले जो वहां पर सरकार थी और अब चिमनभाई विपक्ष में थे तो ऐसा आश्वासन दिया गया था कि बिजली के दाम कम करेंगे। लेकिन अब जब वही सरकार में आ गए हैं और कांग्रेस के साथ बैठे हुए हैं तो बिजली के दाम 500 गुने बढ़ा दिये हैं और वहां पर किसानों का आन्दोलन बड़ी मात्रा में चल रहा है । कुछ पैसा कम भी किया लेकिन आज भी वहां, गुजरात में जो परिस्थितियां है वह यह कि हर गांव में जहां बारिश कम हो रही है, वहां पर भी बिजली के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। कच्छ में भी ऐसी परिस्थिति है । वहां तीन लोगों की जानें गई हैं और कई लोग घायल हुए । जो 267 लोग पकड़े गये हैं । उनमें 125 महिलाएं हैं और उन लोगों पर "टाडा" लगाया जा रहा है। एक 17 वर्ष के बालक को पकड़ा गया है और 307 कलम की धारा उस पर लगाई गई है । इस तरह का आतंक गुजरात में हर गांव में पुलिस का पैदा हुआ है। लोग घरों से बाहर निकलते नहीं है। ऐसी परिस्थिति गुजरात की बनी हुई है। किसान बिल्कुल निरीह हैं । अपने पशुओं को लेकर वे कलक्टर के आफिस में आते हैं और कहते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं हमारा कनेक्शन काट दीजिए । उसके पशुओं को गोली मार दी जाती है। ऐसी परिस्थिति गुजरात की दिन प्रति दिन होती है और आंदोलन उग्र होता जा रहा है । मेरी आपके माध्यम से मांग है कि यहां होम मिनिस्टर साहब से निवेदन करें कि वे कुछ करें । वरना शहरों में भी उग्रता बढ़ती जा रही है. गांवों में तो उग्रता बढ़ी ही हुई है । हर जिले में हर दिन यह होता रहता है और सरकार बिल्कुल बेकाम होकर पुलिस अधिकारियों द्वारा गरीब किसानों पर गोली चलवाकर तांडव नृत्य करवा रही है । इसलिए मेरी मांग है कि होम मिनिस्टर साहब को यहां आकर इस बारे में बयान देना चाहिए ।

I GOPALSINGH O. SOLANKI Gujarat) : Madam. I would also like t associate myself with the *hon.* M^aber. The law and oreder situation in Gniarat has become very bad. We *htvt* seen firing cm cattle. We have seen the an^t of children and women in Gujarat The State Adainittration has gone *Ocmn.* A few ctays bade the Home Minister of the State had also *resigned* in Protest *ci* the law and order situation. Therefore, the Govenment of Gujarat should be *smpea* ded inuiKdiately.

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल (उत्तर प्रदेश) : मैं अपने आपको इससे एसोसियेट करता हूं और यह डिमांड करता हूं कि बिजली का जो पैसा बढ़ाया गया है उसको फौरन कम किया जाये और जिन किसानों की हत्या की गयी है उनको पांच पांच लाख रुपया मुआवजा दिया जाये । इसके साथ ही मैं यह भी डिमांड करता हूं कि

गुजरात की सरकार जिस तरह से किसानों पर जुल्म कर रही है, इसकी रिपोर्ट कई दिनों से अखबारों में आ रही है, इस पर सेंट्रल गवर्नमेंट की स्टेटमेंट देना चाहिए।

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل (اتر پردیش) : میں اپنے آپ کو اس سے ایسو سی ایٹ کرتا ہوں اور یہ ڈیمانڈ کرتا ہوں کہ بجلی کا جو پیسہ بڑھایا گیا ہے اسکو فوراً کم کیا جائے اور جن کسانوں کی ہتیا کی گئی ہے انکو پانچ پانچ لاکھ روپیہ معاوضہ دیا جائے۔ اسکے ساتھ ہی میں یہ بھی ڈیمانڈ کرتا ہوں کہ گجرات کی سرکار جسطرح سے کسانوں پر ظلم کر رہی ہے، اسکی رپورٹ کئی دنوں سے اخباروں میں آرہی ہے، اس پر سینٹرل گورنمنٹ کو اسٹیٹمینٹ دینا چاہئے۔]

डा. सोनिझम सिंह (उत्तर प्रदेश) : मैं इसके साथ अपने को एसोसियेट करता हूं।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : महोदया, मैंने यह कहा है कि आरतीय किसान संघ के नेतृत्व में वहां यह आंदोलन हो रहा है। यह कोई राजनैतिक आंदोलन नहीं है। अगर राजनैतिक आंदोलन नहीं है तो मैं समझता हूं कि किसानों की ओर से यही मांगें की जा रही है। जो लोग मारे गये हैं, वे किसान और नौजवान मारे गये हैं। 18 साल का नौजवान लड़का विरावल में मारा गया है। वीरभूमि विरावल, राजकोट और पोरबंदर का जो सारा इलाका है वह गांधी जी का इलाका है। किसी जमाने में सौराष्ट्र का खेड़ा आंदोलन सरदार वल्लभ भाई के नेतृत्व में किसानों ने चलाया था। लेकिन आज वहां पर किसान ऐसी परिस्थिति में हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार को निर्देश होना चाहिए कि अगर गुजरात सरकार इस तरह का अन्याय करती है तो भारत सरकार उनको निर्देश दे कि वह उसे ठीक करे और अगर ठीक न करे तो जैसे कि अभी मेरे भाई ने कहा ऐसी हालत में वहां की सरकार को वहां पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है और वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू करके केन्द्रीय सरकार का शासन वहां पर लाया जाना चाहिये।

Poor Response of Ministries to Connnunications of Members of Parliament

श्री मोहम्मद अकबर उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं आज अपने स्पेशल मेंशन में आपके माध्यम से हुकूमत की करकर्दगी के ऊपर उसकी परफॉरमेंस के ऊपर थोड़ी सी रोशनी डालना चाहता हूं। मैडम, मुझे राज्य सभा का मैम्बर बने हुए साढ़े तीन साल से ज्यादा हो गये हैं और जिस दिन मैं राज्य सभा में आया था उस दिन से मैंने आवाम के ताल्लुक से जो चिट्ठियां, जो खत अलग अलग मिनिस्ट्रियों को लिखे हैं उनका पूरा ब्यौरा ले कर के आया हूं। मैडम, यह बहुत ही सीरियस मामला है। मैं यह बताना चाहता हूं कि हम लोग जो यहां पर राज्य सभा या लोक सभा में मेंबरान हैं, आवाम की नुमाइंदगी करते हैं। मेरा अन्दाजा यह है कि अगर एक मामूली सा रेश्यो लिया जाए तो राज्य सभा का मैम्बर 10 लाख से ले कर 50-60 लाख लोगों का रिप्रेजेंटेशन यहां हाउस में करता है। हम लोग जो चिट्ठियां मुखतलिफ मिनिस्टरों को लिखते हैं, उनमें आवाम के मसायल उठाते हैं। कुछ शिकायतें होती हैं, तरह तरह की उसके अन्दर चीज होती हैं। मैडम, अहमतरीन बात यह है कि आज यह स्थिति हो गई है कि बदकिस्मती से खास तौर पर बजारतों में जो ब्यूरोक्रेसी काम कर रही है, हम को यह बताया जाता है कि मैम्बर पार्लियामेंट अगर चिट्ठी लिखे तो बहुत बड़ी बात हो जाती है लेकिन मैम्बर पार्लियामेंट की चिट्ठी का क्या हश्र होता है, यह मुझ से ज्यादा यहां जितने मैम्बरान बैठे हुए हैं, वह जानते होंगे। लेकिन मेरे पास वह डाटा है जिसको मैं पेश करूंगा तो शायद हम लोगों को शर्म आएगी कि हम लोग आवाम के नुमाइंदे कहलाने के लायक नहीं हैं। मैडम, मैंने 1-4-1990

†Trattsliteraticm in AraMc Script.